हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, शुक्रवार, 31 अक्टूबर 2025

10 दौगड़ा अहीर की फिरनी की लाइट खराब सरपंच पर मनमानी का आरोप लगाया

10 हिसार-फुलेरा-हिसार अनारक्षित रेलसेवा का होगा संचालन

खबर संक्षेप

रोडवेज बस ने मोपेड को मारी टक्कर, बच्चे की मौत

नारनौल। नसीबपुर में जेल के पास मोपेड सवार बच्चे को रोडवेज बस ड्राइवर ने कुचल दिया। इससे करीब 12 साल के बच्चे की मौत हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को रोड से उठाकर नागरिक अस्पताल में पहुंचाया। मृतक बच्चे का शुक्रवार को पोस्टमॉर्टम होगा। जानकारी के मुताबिक गांव नांगतिहाड़ी निवासी करीब 12 वर्षीय आशीष वीरवार शाम को करीब पांच बजे किसी अन्य युवक के साथ मोपेड पर सवार होकर गांव नसीबपुर में जेल के सामने बने पेट्रोल पंप पर तेल डलवाने के लिए आया था। आशीष मोपेड पर पीछे बैठा हुआ था, जबकि अन्य युवक मोपेड चला रहा था।

सरदार की जयंती पर रन रन फॉर यूनिटी आज

नारनौल। राष्ट्रीय एकता के महान प्रतीक व आधुनिक भारत के निर्माता लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर आईटीआई में 31 अक्टूबर को जिला स्तर पर रन फॉर यूनिटी का भव्य आयोजन किया जाएगा। महेंद्रगढ़ के विधायक कंवर सिंह यादव सुबह ठीक सात बजे इस दौड़ को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार ने बताया कि जिला प्रशासन ने इस गौरवशाली कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं।

कार्य के लिए आमजन के चक्कर न कटवाए

कनीना। आमजन के जायज कार्यों के लिए तहसील कार्यालय के चक्कर न लगाए। यह विचार नायब तहसीलदार पौरुष पहल ने वीरवार को कार्यालय कर्मियों के साथ हुई बैठक में व्यक्त किए। इस दौरान उन्होंने करीब 65 इंतकाल केस का निपटारा किया। नायब तहसीलदार ने कार्यालय कर्मियों व पटवारियों को जरूरी दिशानिर्देश भी दिए। इस मौके पर पटवारी अनूप सुहाग, राजसिंह, विक्रम सिंह, प्रदीप कुमार, संजीत कुमार उपस्थित थे।

5 नवंबर तक फिर से ओपन हुआ पोर्टल, केवल एससीवीटी सीटों पर होंगे दाखिले

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग ने विद्यार्थियों को आईटीआई में दाखिला लेने का एक और मौका दिया है। इच्छुक विद्यार्थी पांच नवंबर तक विभाग के पोर्टल पर आवेदन करके दाखिला ले सकते है। विभाग ने केवल इस बार एससीवीटी सीटों पर दाखिले के लिए पोर्टल खोला गया। जिले के 11 औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) में इस सत्र की अब भी 367 सीटें रिक्त पड़ी हैं।

बता दें कि औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में विभाग की ओर से जारी

नारनौल। राजकीय आईटीआई

शेड्यूल के अनुसार जून माह में दाखिला प्रक्रिया शुरू हुई थी। प्रथम चरण की दाखिला प्रकिया समाप्त होने के बाद संस्थानों में काफी सीट खाली रह गई थी। खाली सीटों को देखते हुए विभाग की ओर से आवेदन करने की तिथि में बदलाव किया गया था। इस दौरान चार दाखिला प्रक्रिया के अलावा दो माह से ओपन काउंसिलिंग के माध्यम से दाखिला प्रक्रिया जारी है। लेकिन अभी जिला की आईटीआई में काफी रह गई है। विभाग की ओर से आखिरी बार 17 अक्टूबर को पोर्टल बंद किया गया था। इस दौरान जिला के संस्थानों में काफी सीटे खाली रह गई थी। खाली सीटों को देखते हुए विभाग की ओर से एक बार फिर से पोर्टल खोल दिया है।

खास बातें

- 11 संस्थानों में अभी है 367 सीट खाली
- 11 आईटीआई के 47 ट्रेड की 3288 सीटों में से 2981 सीटों पर हो चुके है दाखिले
- 17 अक्टूबर को विभाग की ओर से बंद कर दिया गया था पोर्टल, खाली सीटों को देखते हुए एक बार फिर से खोला गया पोर्टल

प्रचार प्रसार की आई नजर कमी

आइटीआई में इस बार खाली सीटे रहना काफी चिंतनीय है। जबकि सरकार की तरफ से युवाओं के कौशल विकास को लेकर विशेष जोर दिया जा रहा है ताकि युवाओं रोजगार के अवसर उपलब्ध होने के साथ ही वह स्वरोजगार भी स्थापित कर सकें। अब पुनः पोर्टल खोलते हुए प्रचार-प्रसार की कमी आ रही है नजर आइटीआइ में दाखिले के आकड़ों में प्रचार प्रसार की कमी और युवाओं में जागरूकता का अभाव देखा जा सकता है। अगर जिम्मेदारों की तरफ से समय रहते आसपास के विद्यालयों में कौशल विकास को लेकर जागरूकता शिविर या कार्यक्रम आयोजित किए जाते तो शायद इनमें सुधार संभव था, लेकिन इस बार काफी देर हो चुकी है। मुख्य ट्रेडों में विद्यार्थी दाखिला करा चुके हैं, वहीं बाकी ट्रेडों में दाखिला होना टेढ़ी खीर लग रहा है।

जिला की आईटीआई में खाली सीटों का ब्यौरा

राजकीय आईटीआई भोजावास		
कुल सीट	दाखिला	खाली
244	199	45
राजकीय आईटीआई डेरोली अहीर		
कुल सीट	दाखिला	खाली
128	128	00
राजकीय आईटीआई महेंद्रगढ		
कुल सीट	दाखिला	खाली
692	637	55
राजकीय महिला आईटीआई महेंद्रगढ़		
कुल सीट	दाखिला	खाली
204	194	10
राजकीय आईटीआई मालडा बास		
कुल सीट	दाखिला	खाली
196	183	13
राजकीय आईटीआई नारनौल		
कुल सीट	दाखिला	खाली
872	821	51
राजकीय महिला आईटीआई नारनौल		
कुल सीट	दाखिला	खाली
288	212	76
राजकीय आईटीआई सतनाली		
कुल सीट	दाखिला	खाली
196	147	49
राजकीय आईटीआई सेहलंग		
कुल सीट	दाखिला	खाली
128	91	37
राजकीय आईटीआई शाहबाजपुर		
कुल सीट	दाखिला	खाली
128	128	00
राजकीय आईटीआई सुजापुर		
कुल सीट	दाखिला	खाली
212	181	31

महावीर पुलिस चौकी को सिटी थाना–2 में तब्दील करने की जरूरत

महावीर चौकी को सिटी 2 थाना बनाने की मांग

सिटी थाना जितना महावीर पुलिस चौकी में काम का दबाव

सतीश सैनी ▶▶ नारनौल

जिला में सबसे ज्यादा एफआईआर अगर दर्ज होती है तो वह नारनौल सिटी थाना है। इसके पीछे कारण शहर की घनी आबादी और लंबा चौड़ा क्षेत्र है। नगर परिषद का कुल भौगोलिक क्षेत्रफल 13 वर्ग किलोमीटर है। शहर में 31 वार्ड है। इनमें कई गांव भी शामिल है। इस वजह से जिला में सर्वाधिक एफआईआर सिटी थाना में दर्ज होती है। इसी सिटी थाना के अधीन महावीर पुलिस चौकी है। इस चौकी का कार्यक्षेत्र को देखे तो आधे शहर को कवर करती है। सिटी थाना में भी जो एफआईआर दर्ज होती है, उसमें करीब आधी एफआईआर संख्या महावीर पुलिस चौकी की ही है। ऐसे में महावीर पुलिस चौकी को सिटी–2 थाना बनाने की जरूरत समय की डिमांड है ताकि फोर्स व अन्य संसाधन ओर मिल सके।

नारनौल। हुडा सेक्टर में स्थित महावीर पुलिस चौकी। फोटो : हरिभूमि

यूं समझे क्यूं जरूरी है चौकी को थाना बनाना

महावीर पुलिस चौकी के अधीन नीरपुर सीमा से रेवाड़ी रोड होते हुए महावीर चौक, फिर सिंघाना रोड बाइपास तक का एरिया सड़क के एक ओर बस स्टैंड साइड का क्षेत्र चौकी में ही आता है। महेंद्रगढ़ रोड पर सड़क के दोनों ओर नांगतिहाड़ी बाइपास तक का क्षेत्र इसी चौकी में है। नशा कम अपराध ज्यादा होने वाले क्षेत्र इसी चौकी में है जैसे बस स्टैंड, महावीर चौक, निजी व प्राइवेट बैंक, लघु सचिवालय, कोर्ट, हुडा सेक्टर, कैलाशनगर, इंपलाइज कॉलोनी, कर्मचारी कॉलोनी, शिवनगर, मोतीनगर, नहर कॉलोनी के अलावा गांव नीरपुर, नूनी अव्वल, शेखपुरा, नसीबपुर, रघुनाथपुरा इसी पुलिस चौकी के अधीन है। यूं कहें ही आधा शहर का हिस्सा इसी चौकी में है। इन दिनों यहां पुलिस कर्मी व संसाधनों की कमी भी है। अगर यह थाना बनता है तो उसके हिसाब से यहां स्टाफ में तो बढ़ोतरी होगी ही, साथ ही संसाधनों में भी इजाफा होगा।

2020 से 2024 तक जिला में दर्ज एफआईआर

स्टेशन	2024	2023	2022	2021	2020
अटेली	291	379	356	386	295
कनीना	170	232	159	—	—
सिटी महेंद्रगढ़	286	469	438	538	627
सिटी नारनौल	581	933	723	806	668
साइबर थाना	024	024	015	—	—
नांगल चौधरी	231	347	336	439	344
निजामपुर	145	196	112	—	—
सदर कनीना	198	300	365	507	463
सदर महेंद्रगढ़	390	464	466	420	103
सदर नारनौल	357	496	463	420	407
सतनाली	146	210	215	206	163
ट्रेफिक	—	—	—	—	—
महिला थाना	—	—	—	047	057
कुल	2819	4050	3648	3706	3127

5 साल पहले भेजा गया था प्रपोजल

नवंबर 2020 में एसपी चंद्रमोहन थे। उनके कार्यकाल में निजामपुर, महाबीर चौकी व कनीना पुलिस चौकी को थाना बनाने का प्रपोजल सरकार के समक्ष भेजा गया था। उसके बाद निजामपुर व कनीना चौकी को थाना बना दिया गया, केवल महावीर पुलिस चौकी ही रह गई थी। इस प्रपोजल के भेजने के पीछे महकमा का मकसद था। नए थाने बनने से जिले में पुलिस फोर्स भी बढ़ेगी और नई गाड़ियां भी मिलेंगी। इससे अपराध पर और अधिक काबू पाने में सफलता मिलेगी। उस वक्त इस प्रपोजल में एक थाना व चेक पोस्ट नेशनल हाइवे पर बनाने का सुझाव डीजीपी को भेजा गया था।

इस साल अब तक दर्ज एफआईआर

जनवरी से अब तक जिला के 12 पुलिस थानों में 2165 एफआईआर दर्ज हुई है। इनमें सिटी थाना नारनौल में 372, सदर नारनौल में 269, नांगल चौधरी थाना में 193, निजामपुर थाना में 104, अटेली थाना में 216, साइबर क्राइम थाना में 40, सिटी महेंद्रगढ़ थाना में 176, सदर महेंद्रगढ़ थाना में 292, सिटी कनीना थाना में 148, सदर कनीना थाना में 147, सतनाली थाना में 139 और महिला पुलिस थाना में 69 एफआईआर हुई है।

पुलिस चौकी स्थानांतरित नहीं करने की मांग

हुडा रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन की ओर से एसपी के नाम डीएसपी को ज्ञापन सौंपा गया। इसमें एसोसिएशन प्रधान नरेश चौधरी ने बताया है कि उपायुक्त निवास के पास हुडा सेक्टर में कई वर्षों से महावीर पुलिस चौकी स्थापित है। जिसका कार्य सराहनीय है और असामाजिक तत्वों पर अंकुश है। यदि इस पुलिस चौकी को यहां से स्थानांतरित किया जाता है तो हमारी सुरक्षा को खतरा संभावित है।

नारनौल। पदक विजेता खिलाड़ी। फोटो : हरिभूमि

राज्य स्तरीय बॉक्सिंग में जिले के खिलाड़ियों ने जीते पदक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल।

हरियाणा आर्म बॉक्सिंग राज्य स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन 25 व 26 अक्टूबर को समालखा पानीपत में हुआ था। जिसमें महेंद्रगढ़ के खिलाड़ियों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। जिसमें जिले के खिलाड़ियों ने 10 गोल्ड मेडल, दो ब्रॉन्ज मेडल जीतकर अपने प्रदेश व जिले का नाम एक बार फिर से रोशन किया है। जिसमें सोनाक्षी ने गोल्ड, दीपिका गोल्ड, लोकेश ने ब्रॉन्ज, सोनू ब्रॉन्ज, आरव गोल्ड, विनय गोल्ड, प्रेरक गोल्ड, कनिष्क गोल्ड, पुलकित गोल्ड, रितेश गोल्ड, तमन्ना गोल्ड, घनश्याम गोल्ड, साहिल ने गोल्ड मेडल हासिल किया है। यह सभी बच्चे 21 से 23 नवंबर को होने वाली आर्म बॉक्सिंग नेशनल चैंपियनशिप में भाग लेंगे। हरियाणा आर्म बॉक्सिंग एसोसिएशन के प्रधान सुरेंद्र सिंह, हरियाणा आर्म बॉक्सिंग एसोसिएशन के महासचिव राहुल सिंह व हरियाणा आर्म बॉक्सिंग एसोसिएशन के टेक्निकल डायरेक्टर साहिल भारद्वाज ने सभी बच्चों को बधाई दी।

आईटीआई में रोजगार मेला आज

नारनौल। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में 31 अक्टूबर को रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए संस्थान के प्रधानाचार्य विनोद खनगवाल ने बताया कि यह मेला कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग हरियाणा की पहल के तहत आयोजित किया जा रहा है। इस मेले में विभिन्न प्रतिष्ठित कंपनियों के प्रतिनिधि उपस्थित रहेंगे और प्रशिक्षुओं का चयन मौके पर ही किया जाएगा। इस अवसर पर जीएलएस अल्युमिनियम रेवाड़ी एवं बीआरवाई एआईआर एएसआईए गुरुग्राम जैसी नामी कंपनियां भाग लेंगी और आईटीआई पास आउट विद्यार्थियों को विभिन्न पदों पर रोजगार के अवसर प्रदान करेंगी। जीएलएस अल्युमिनियम कंपनी के प्रतिनिधि कारपेंटर ट्रेड तथा बीआरवाई एआईआर एएसआईए कंपनी के प्रतिनिधि फिटर, वैल्डर, सीओपीए, इलेक्ट्रीशियन व पेंटर ट्रेड के प्रशिक्षुओं को अप्रेंटिस के तौर पर चयन करेंगी।

जिला लोक संपर्क एवं जन परिवेदना समिति की मासिक बैठक आज

सहकारिता मंत्री सुनेंगे शिकायतें

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

सहकारिता मंत्री अरविंद कुमार शर्मा 31 अक्टूबर को दोपहर 12 बजे लघु सचिवालय के नजदीक सभागार में जिला लोक संपर्क एवं जन परिवेदना समिति की मासिक बैठक लेंगे। इसमें पहले से निर्धारित 11 मामले सुनवाई के लिए रखे जाएंगे। जिनका संबंधित विभाग के अधिकारियों द्वारासमाधान किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार ने बताया कि पुलिस अधीक्षक के दो, उपमंडल अधिकारी नारनौल, अधीक्षण अभियंता/कार्यकारी अभियंता जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग, कार्यकारी अभियंता नगर परिषद का एक, जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी नारनौल/खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी निजामपुर का एक, उप मंडल अधिकारी का एक, जिला खाद्य एवं पूर्ति नियंत्रक का एक, जिला शिक्षा अधिकारी का एक, अधीक्षण अभियंता दक्षिणी हरियाणा बिजली वितरण निगम/कार्यकारी अभियंता दक्षिणी हरियाणा बिजली वितरण निगम महेंद्रगढ़ का एक, अधीक्षण अभियंता/कार्यकारी अभियंता जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग नारनौल के दो व जिला नगर योजनाकार का एक मामला सुनवाई के लिए रखा जाएगा।

कनीना मंडी में अब तक 8953 गेटपास काटे 2.75 लाख क्विंटल बाजरे की हुई आवक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कनीना

कनीना मंडी में हाल ही में तत्कालीन सचिव मनोज पराशर के निलंबन को लेकर घटित एपिसोड के बाद बाजरे की खरीद को लेकर मार्केट कमेटी प्रशासन सतर्क हो गया है। नई मंडी चेलावास में आने वाले बाजरे के वाहनों के गेटपास जारी कर सम्बंधित फर्म तक पहुंचाया जा रहा है। इस कार्य में मार्केट कमेटी व एसडीएम कार्यालय के कर्मचारी जुटे हुए हैं। किसानों की समस्या को देखते हुए मंडी में खराब पड़े दूसरे धर्मकांटे को भी दुरूस्त करवाया गया है। बता दें कि इस बार अत्यधिक बारिश होने के चलते बाजरे की फसल खराब हो गई थी। बदरंग हुए बाजरे के खरीद मानकों पर सही नहीं उतरने पर हरियाणा सरकार बाजरे की सरकारी खरीद नहीं हो सकी, जबकि प्रदेश सरकार की ओर से 575 रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से भावांतर भरपाई देने का ऐलान कर चुकी है। भावांतर का लाभ लेने के लिए किसान फसल लेकर मंडी में पहुंच रहे हैं। वहीं 31 अक्टूबर तक खरीद होने की कानों कान खबर फैलने से वीरवार को मंडी में किसानों के बाजरे से लदे वाहनों की कतार लग गई, जबकि सरकार की ओर से 15 नवंबर तक बाजरे की खरीद किए जाने का शेड्यूल जारी किया गया है।

कनीना। नई अनाज मंडी में जारी बाजरे की खरीद। फोटो : हरिभूमि

बाजरा खरीद प्रगति

मार्केट कमेटी के सचिव अजीत सिंह ने बताया कि 23 सितंबर से लेकर वीरवार दोपहर तक अनाज मंडी में 8953 गेटपास जारी कर 2.75 लाख क्विंटल बाजरे की आवक हो चुकी है। जिसमें से 8476 किसानों का 2.60 लाख क्विंटल बाजरा खरीदा जा चुका है। उन्होंने बताया कि बाजरे की खरीद को लेकर अभी तक उनके पास कोई पत्र नहीं आया है। पुराने शेड्यूल के मुताबिक खरीद कार्य 15 नवंबर तक जारी रहने की संभावना है। मंडी में प्राइवेट खरीद एजेंट 1800 से 1900 रुपये प्रति क्विंटल की दर से बाजरे की खरीद कर रहे हैं।

अनाज में मंडी में काटे 1 हजार से अधिक गेटपास

नारनौल। अनाज मंडी में दो दिन मंगलवार व बुधवार को नये गेटपास नहीं काटे जाने के बाद वीरवार सुबह से ही किसानों की भारी भीड़ लग गई। किसान सुबह पांच बजे ही अपने अपने बाजरे से भरे ट्रैक्टर ट्रॉली व अन्य वाहन लेकर मंडी पहुंच गए। जिसके बाद सुबह करीब 11 बजे तक मंडी गेट से पुलिया तक किसानों के बाजरे से भरे वाहनों की लंबी लाइन लग गई। यह लाइन लगभग एक से डेढ़ किलोमीटर लंबी थी। ऐसे में जाम की स्थिति न बन जाए, इसलिए मौके पर पुलिसबल तैनात किया गया। पुलिसबल किसानों के ट्रैक्टर ट्रॉली के साथ यातायात को भी सुचारू रूप से चलाने में जुट गया। मार्केट कमेटी की सचिव नुकुल यादव व दो महिला सुपरवाइजर भी मंडी गेट पर मुस्तैद दिखाई दी। वीरवार देर सायं तक करीब एक हजार से अधिक गेटपास काटे जा चुके थे।

3 आरोपितों को डंडों, अवैध हथियार के साथ पकड़ा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

सीआईए ने अवैध हथियार व डंडों के साथ तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। आरोपित लूटपाट व संगीन अपराध की योजना बना रहे थे। पुलिस की सतर्कता व त्वरित कार्रवाई से आरोपितों को वारदात को अंजाम देने से पहले ही पकड़ लिया।

पुलिस प्रवक्ता सुमित कुमार ने बताया कि सीआईए ने मौके से तीन आरोपित निशांत वासी गहली, अंकित व अनुज वासी गौरीर को गिरफ्तार किया है। टीम ने आरोपितों से अवैध देसी कट्टा, जिंदा कारतूस, लोहा पाइप, तीन डंडे व गाड़ी बरामद कर जब्त की है। आरोपितों को वीरवार को न्यायालय में पेश किया गया। जहां से दो आरोपितों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया व आरोपित निशांत को पुलिस रिमांड पर लिया गया है। आरोपित ने दो दिन पहले शहर क्षेत्र में मारपीट की वारदात को अंजाम दिया था। प्रवक्ता सुमित कुमार ने बताया कि सीआईए पुलिस गश्त के दौरान बस अड्डा खटोटी पर मौजूद थी।

बिना नम्बर की काली स्कार्पियों की बरामद

टीम को गुप्त सूचना मिली कि निशांत, पंकज, पुष्पेन्द्र वासी गहली व उनके साथ तीन चार अज्ञात लड़के बिना नम्बर की काले रंग की स्कॉर्पियो गाड़ी में लाठी डंडे व अवैध हथियार लिए हुए मोहनपुर बस अड्डा पर लूटपाट व कोई संगीन अपराध करने की योजना बना रहे हैं। अगर तुरंत रेड की जाए तो अवैध हथियार व लाठी डंडों सहित काबू आ सकते हैं। सूचना के आधार पर टीम ने उक्त स्थान पर रेड की। जहां पर बिना नम्बर की काले रंग की स्कार्पियो गाड़ी में लड़के बैठे दिखाई दिए, जो पुलिस को देखकर गाड़ी से उतर कर भागने लगे। जिनको काबू करके नाम पता पूछा तो एक ने अपना नाम निशांत वासी गहली, दूसरे ने अपना नाम अंकित वासी गौरीर व तीसरे ने अपना नाम अनुज वासी गौरीर बताया।

हादसा चितलांग निवासी करीब 22 वर्षीय युवक अभिषेक शहर में एक पेंट कंपनी में करता था काम

सड़क हादसे में युवक की मौत 10 किलोमीटर दूर मिला शव

अभिषेक बुधवार रात करीब नौ बजे बाइक पर सवार होकर अपने गांव जा रहा था। जिसके साथ उसका चचेरा भाई प्रमोद भी था

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

शहर के नजदीक सड़क हादसे में एक बाइक सवार की मौत हो गई। वहीं युवक का शव जहां हादसा हुआ उससे लगभग 10 किलोमीटर दूर मिला। बताया जा रहा है कि मृतक का शव ट्रक में उलझकर वहां तक पहुंच गया। जानकारी के अनुसार गांव चितलांग निवासी करीब 22 वर्षीय युवक अभिषेक शहर में एक पेंट की कंपनी में काम करता था। वह बुधवार रात करीब नौ बजे बाइक पर सवार होकर अपने गांव जा रहा था। जिसके साथ उसका चचेरा भाई प्रमोद भी था। जब वह गांव लहरोदा के पास पहुंचे, तो उनकी बाइक डिवाइडर से टकरा गई। जिससे अभिषेक रोड पर तथा प्रमोद दूसरी ओर जा गिरा।

मृतक अभिषेक।

सड़क हादसे में युवक की दर्दनाक मौत

हादसे में घायल युवक प्रमोद ने बताया कि बाइक से गिरने के बाद उसको आसपास के लोगों ने नागरिक अस्पताल पहुंचा। जहां पर उपचार के बाद उसको होश आया। वहीं गांव मंढाणा के पास हेलमेट पहने युवक का शव लोगों को दिखाई दिया। जिस पर उन्होंने इसकी सूचना पुलिस को दी। जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर उसकी शिनाख्त की। पुलिस के अनुसार युवक का शव हादसे बाद वहां गिर गया था। गिरने के बाद वहां से जा रहे एक अज्ञात ट्रक में वह उलझ गया। उलझता हुआ युवक का शव नेशनल हाईवे के बाईपास होते हुए मंढाणा गांव तक पहुंच गया। जहां पर गांव मंढाणा में बेकर पर शव वहां गिर गया। जिस पर लोगों ने पुलिस को सूचना दी। इस बारे में सदर थाना एसएचओ सतबीर ने बताया कि पुलिस को हेलमेट पहने हुए युवक का शव गांव मंढाणा के पास मिलने की सूचना मिली, लेकिन वहां पर कोई बाइक या अन्य दुपहिया वाहन नहीं मिला। जिस पर उन्होंने वहां पर पास लगे सीसीटीवी को चेक किया। जिसमें एक लाल रंग के ट्रक में युवक उलझकर गिरता हुआ दिखाई दिया। जिसके बाद उन्होंने युवक की तलाशी ली। तलाशी लेने पर युवक की पहचान हुई तथा उनके परिजनों को बताया गया। पुलिस ने युवक के शव का वीरवार को नागरिक अस्पताल से पोस्टमॉर्टम करवा परिजनों को सौंप दिया।

रोचक / शिखर चंद जैन

बच्चों के मन को भाती प्यारी-अनोखी डॉल्स

बच्चो, तुम सभी को डॉल्स यानी गुड़ियों से खेलने में बहुत मजा आता होगा, है न! तुम ही नहीं दुनिया के अनेक देशों में रहने वाले बच्चे भी डॉल्स के संग खेलना पसंद करते हैं। जानो, देश-दुनिया में फेमस कुछ प्यारी-अनोखी डॉल्स के बारे में।

अमेरिका की बार्बी डॉल्स

बार्बी डॉल को अमेरिका की बिजनेस वूमेन रूथ हैंडलर ने 1959 में तैयार किया था। पहली बार्बी डॉल ने चमकीले लाल होंठों के साथ एक स्मार्ट काले और सफेद धारीदार छोटी पोशाक पहनी थी, जो हॉलीवुड एक्ट्रेस मर्लिन मुनरो से प्रेरित थी। धीरे-धीरे बार्बी डॉल्स लोगों, खासकर बच्चों के बीच लोकप्रिय होने लगी। आज बार्बी डॉल केवल अमेरिका ही नहीं दुनिया भर के अनेक देशों में सबसे अधिक पसंद की जाने वाली डॉल मानी जाती है। *

कर्नाटक की चन्नापटना डॉल्स

चन्नापटना खिलौने, लकड़ी से बनने वाले खिलौने और गुड़िया का एक विशेष रूप है, जो कर्नाटक के रामनगर जिले के चन्नापटना शहर में निर्मित किए जाते हैं। चन्नापटना को गोम्बेगाला ऊरू यानी खिलौनों के शहर के नाम से भी जाना जाता है। इन लकड़ी के खिलौनों को चन्नापटना में लाने का श्रेय मैसूर के शासक टीपू सुल्तान को दिया जाता है। उन्होंने स्थानीय कलाकारों को लकड़ी के खिलौने बनाने का प्रशिक्षण देने के लिए फारस से कलाकारों को आमंत्रित किया था, जिससे इस उद्योग को स्थानीय स्तर पर फलने-फूलने में मदद मिली। चन्नापटना खिलौने पूरी तरह रसायन मुक्त यानी केमिकल फ्री होते हैं। इन्हें सब्जियों और पौधों से निकाले गए जैविक रंगों और प्राकृतिक रंगों से रंगा जाता है। आजकल इन्हें बनाने में चंदन और आम की लकड़ी का उपयोग किया जाता है। इनका आकार अधिकतर गोल और कुंद किनारों वाले घनाकार होता है, इसलिए ये बच्चों के लिए पूरी तरह सुरक्षित हैं। चन्नापटना ट्वॉयज को जीआई टैग प्राप्त है। *

जापान की दारुमा डॉल्स

दारुमा, एक पारंपरिक गोल, खोखली डॉल है। यह लचीलेपन, सौभाग्य और आध्यात्मिक एकाग्रता का प्रतीक है। आमतौर पर इनका रंग लाल होता है, लेकिन इसके डिजाइन अलग-अलग होते हैं। इसकी खासियत यह है कि इसकी आंखों में पुतलियां (प्यूपिल्स) नहीं होतीं। लोग इस डॉल से अपनी विश मांगते हैं, जब उनकी विश पूरी हो जाती है तो वे इसकी आंखों में कलर भरते हैं और इसकी पुतलियां बनाते हैं। यह डॉल सफलता तक हार न मानने के लिए प्रचलित एक जापानी मुहावरे 'सात बार गिरती है, आठ बार उठती है' का प्रतीक है। इस डॉल को अगर तुम गिराओगे, तो यह गिरने के बाद फिर से सीधी खड़ी हो जाती है। जापान में नए साल की शुरुआत में लोग दारुमा डॉल्स खरीदते हैं। इसकी एक पुतली पर रंग भरते हुए अपनी कोई इच्छा (विश) मांगते हैं। जब वह इच्छा पूरी हो जाती है, तो गुड़िया की दूसरी पुतली पर भी रंग भर दिया जाता है। इस डॉल को जापान में 'लकी चार्म' माना जाता है। *

आंध्र प्रदेश की कोंडापल्ली डॉल्स

कोंडापल्ली खिलौने या कोंडापल्ली डॉल्स का इतिहास बड़ा ही दिलचस्प है। 16वीं शताब्दी में जब आर्य क्षत्रियों का समुदाय राजस्थान से कोंडापल्ली आया था तो वे अपने साथ खिलौने बनाने की कला भी लाए। पौराणिक मान्यता है कि उन्हें इसे बनाने का कौशल भगवान शिव ने सिखाया था। मंदिरों में इन खिलौनों को कोंडापल्ली बमालू कहा जाता है। ये खिलौने ग्रामीण भारत और हिंदू देवताओं का प्रतिनिधित्व करते हैं। ये खिलौने टेला पोनिकी (सफेद चंदन की लकड़ी) के बने होते हैं। कोंडापल्ली गुड़िया या खिलौने को बड़ी खूबसूरती से तराशा और रंगा जाता है। अंतिम चरण में इसे अलसी के तेल में डाला जाता है, जिससे यह पानी से खराब नहीं होती। कोंडापल्ली डॉल के एक सेट में 24 डॉल्स मौजूद होती हैं। ये डॉल्स ग्रामीण समाज के विभिन्न वर्गों, जैसे- मछुआरे, पुजारी, जनजातीय लोग, किसान, संगीतकार आदि का चित्रण करती हैं। कई बार इन डॉल्स को कुछ इस तरह बनाया जाता है कि इसके टुकड़े जैसे- शरीर, सिर, कान, सूंड़ और पूंछ आदि अलग-अलग बने होते हैं और फिर उन्हें सोने के तार से जोड़ा जाता है। कोंडापल्ली डॉल्स, आंध्र प्रदेश की सांस्कृतिक पहचान का हिस्सा हैं। कोंडापल्ली डॉल्स आंध्र प्रदेश के जीआई टैग हस्तशिल्प के रूप में भी पंजीकृत हैं। *

बच्चो, हनी बेजर इतना बुद्धिमान, बेखौफ और जुझारू एनिमल है कि जंगल का राजा शेर भी आमतौर पर इससे नहीं टकराता! आकार में छोटे, लेकिन साहस, बुद्धि और ताकत से भरपूर इस अनोखे जंतु के बारे में जानो कुछ अमेजिंग-इंटरेस्टिंग बातें।

बुद्धिमान-साहसी-निडर हनी बेजर

अनोखा जंतु

रेखा शाह आरबी

बच्चो, जंगल में एक से एक आक्रामक, शिकारी और जहरीले जीव-जंतु निवास करते हैं। जंगलों में ही पाया जाने वाला हनी बेजर कई सारी खूबियों से युक्त एक लड़ाका (फाइटर) और बेखौफ जानवर है।

नहीं डरता किसी से: हनी बेजर एक निडर शिकारी जानवर है। जंगल का कोई भी जानवर, चाहे वो कितना भी विशाल, शक्तिशाली या जहरीला क्यों न हो, अगर इससे टकराए, तो यह पलटकर जोरदार वार करता है। यह इतना शक्तिशाली होता है कि कछुए के मजबूत खोल को अपने जबड़े से चीर-फाड़ देता है। यह अपनी मोटी खाल, नुकीले दांत और शक्तिशाली लंबे पंजे के बल पर अपने दुश्मनों को तगड़ी चुनौती देने की ताकत रखता है। आमतौर पर शेर भी हनी बेजर का शिकार नहीं करता, क्योंकि यह देर तक शेर का सामना करने की हिम्मत और ताकत रखता है।

निवास-शारीरिक बनावट और जीवन कालः हनी बेजर का वैज्ञानिक नाम 'मेलिवोरा कैपेंसिस' है। यह भारतीय उपमहाद्वीप से लेकर दक्षिण पश्चिम-एशिया और अफ्रीका में पाया जाता है। भारत में इसे 'बिज्जु' भी कहा जाता है। अपने देश में यह मुख्य रूप से उत्तर भारत के तालाब, नदियों के कगारों पर 25-30 फुट लंबी मांद बनाकर रहता है।

शारीरिक बनावट की बात करें, तो हनी बेजर के शरीर का ऊपरी भाग भूरा, बगल और पेट काला, माथे पर सफेद चौड़ी धारी होती है। इसकी त्वचा बहुत अधिक मोटी (गैंडा, जिराफ, भैंस जैसे जानवरों से भी अधिक मोटी) होती है। इसके पैरों में 5 मजबूत नाखून होते हैं, जो इसे जमीन खोदने में और मांद बनाने में मदद करते हैं। आमतौर पर वयस्क नर हनी बेजर का वजन 9 से 16 किलोग्राम और मादा हनी बेजर का वजन 5 से 10 किलोग्राम होता है। इसकी अनुकूलन क्षमता इसे अलग-अलग और कठोर परिस्थितियों में भी जीवित रहने में सक्षम बनाती है। हनी बेजर लगभग 24 वर्षों तक जीवित रहता है।

हनी बेजर बहुत बुद्धिमान भी होता है। यह शुतुरमुर्ग के अंडों को तोड़ने के लिए पत्थरों का इस्तेमाल करता है। यह दीमक के टीलों पर जाकर लकड़ियां ठोकने के लिए भी पत्थर का इस्तेमाल करता है। *

बुद्धिमान और माहिर शिकारी

हनी बेजर मूल रूप से सांप, बिच्छू, पक्षी, कीड़े, छोटे स्तनधारी, वनस्पति और फल खाता है। हनी बेजर मुश्किल से मुश्किल हालातों में भी भोजन ढूंढने में माहिर होता है। यह दबे हुए शिकार को खोदकर निकाल लेता है। शहद और लार्वा के लिए मधुमक्खियों के छत्ते पर धावा बोल देता है। शिकार कौशल के अलावा यह भागने में भी माहिर होता है। जरूरत पड़ने पर पेड़ों पर चढ़ सकता है। पानी में तैर भी सकता है। मतलब कि यह हर सिचुएशन के हिसाब से अपने आप को ढाल लेता है।

कविता / डॉ. फहीम अहमद

गौरैया

अच्छी लगती है गौरैया,
चीं-चीं की यह तेरी धुन!
तिनका-तिनका जोड़ सुहाना
नीड़ बना लेती कैसे?
नन्हा-मुन्ना घर बनने में,
लगते नहीं तनिक पैसे।
मुझे सिखा दे यही कला तू
मेरी इतनी विनती सुन!
सूरज के उगने से पहले,
नींद तुम्हारी खुल जाती।
मीठी-मीठी हवा बहे तो,
काया तेरी धुल जाती।
बैठ डाल पर चुपके-चुपके,
नई सुबह के सपने बुन!
यहां-वहां से, कहां-कहां से,
लाती है तू चुन-चुन के।
लाकर रोज खिलाती है तू
बच्चों को दाने-दुनके।
मुझे बहुत अच्छा लगता यह
तेरा मेहनत वाला गुन!

हंसगुल्ले

मोनू : इस बार दिवाली पर मैंने एक रॉकेट छोड़ा तो वो सीधा आकाश से जा टकराया।
सोनू (हैरानी से) : अरे! फिर क्या हुआ?
मोनू : फिर क्या, आकाश की मम्मी ने मुझे खूब डांटा और मेरी मम्मी से भी मेरी शिकायत कर दी।
-संभव, रायपुर

चिंटू : अगर आलू किसी की हेल्प करे तो उसे क्या कहेंगे?
मिंटू : क्या कहेंगे?
चिंटू : दयालु।
-पलक, बिलासपुर

सोनू : ऐसी कौन-सी चाय है, जिसे पीने के बाद बहुत बुरा लगता है?
मोनू (देर तक सोचने के बाद) : मुझे नहीं पता, तुम बता दो।
सोनू : गिल्टी।
-कोमल, दुर्ग

जीके क्विज-177

1. किस विश्वप्रसिद्ध फुटबॉलर को साल 2025 का गोल्डन बूट अवार्ड मिला?
2. हाल ही में कहां दीपावली के अवसर पर 26 लाख से भी अधिक दीये जलाकर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया गया?
3. सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती को किस दिवस के रूप में मनाते हैं?
4. पिछले दिनों किस तिथि को संयुक्त राष्ट्र दिवस मनाया गया?
5. विश्व प्रसिद्ध पुष्कर मेला किस राज्य में आयोजित होता है?
6. कौन-सा जीवाणु (बैक्टीरिया) दूध को दही में बदल देता है?
7. स्वतंत्र भारत के प्रथम रेल मंत्री कौन बने थे?
8. टेलीस्कोप (दूरबीन) की खोज किसने की थी?
9. विक्टोरिया मेमोरियल भारत के किस शहर में स्थित है?
10. प्रसिद्ध हिंदी उपन्यास 'गोदान' के लेखक कौन हैं?

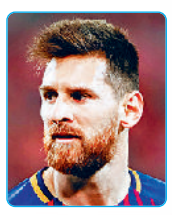

बच्चों, जीके क्विज-177 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें **balbhoomihb@gmail.com** पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज-176 का उत्तर : 1.मारिया कोरिना मचाडो, 2.ज्ञानेश कुमार, 3.संयुक्त राज्य अमेरिका, 4.न्यूटन, 5.शतरंज, 6.विटामिन ए, 7.दुग्ध उत्पादन, 8.इंदिरा प्वॉइंट, 9.अरुणाचल प्रदेश, 10.लैक्टोमीटर

जीके क्विज-176 का सही उत्तर देने वाले : तनिष्क-राजनांदगांव, कबीर-हिसार, आद्या-उमरिया, अविनाश-ईमेल से, रमेश-बैकुंठपुर, रजनी-बलरामपुर, श्रद्धा-ईमेल से, कुसुम-बेमेतरा, प्रियांक-बलौदा बाजार, सोहम-कांकेर

कहानी

क्षमा शर्मा

नन्हे अंतरिक्ष ने इतनी जोरों से किक मारी कि उसकी फुटबॉल ना जाने कहां गायब हो गई। दादाजी ने कहा कि लगता है स्पेसशिप बनकर चांद पर चली गई है। यह सुनकर भोले-भाले अंतरिक्ष ने भी फुटबॉल पर बैठकर स्पेस पर जाने की सोची। स्वयं ही नहीं, घर के और लोगों को भी स्पेस पर ले जाने की सोची। लेकिन अंतरिक्ष की फुटबॉल गई कहां, क्या वह उसे मिली? पढ़ो, बहुत मजेदार कहानी।

अंतरिक्ष की फुटबॉल

अंतरिक्ष के बड़े से बगीचे में तरह-तरह के गुलाब, लाल-पीले गेंदे और गुड़हल के गुलाबी फूल खिले हुए थे। बगीचे में हरी-हरी घास थी। शाम के समय कभी पापा, कभी बुआ, कभी मम्मा के साथ अंतरिक्ष टेनिस, बैडमिंटन या फुटबॉल खेलता था। टीवी पर फुटबॉल खिलाड़ियों को देख वैसे ही करतब करने की कोशिश करता। वह अकसर अपने दादाजी से बोलता, 'मैं रोनाल्डो बनूंगा, ऐसे गोल मारूंगा।' कहकर वह अपनी फुटबॉल की तरफ दौड़ता और जोर से किक जमाता। फुटबॉल कभी ऊपर टेरेस पर गिरती, कभी नीम के पेड़ में उलझ जाती। एक रात जब आसमान में पूरा चांद उगा था, अंतरिक्ष ने खेल-खेल में फुटबॉल उछाली, तो वह कहीं अटक गई। उसने फुटबॉल खोजने की कोशिश की लेकिन नहीं मिली।

'कहां गई?' अंतरिक्ष ने मम्मा से पूछा। वह बोलीं, 'कहां गई होगी, बाहर चली गई होगी। अब सवेरे जाकर खोजना।'

बुआ ने कहा, 'क्या पता आसमान में जो एक बड़ा पक्षी उड़ता हुआ दिख रहा था, वही उसे अपनी चोंच में दबाकर उड़ गया हो।'

दादाजी बोले, 'अरे वो पक्षी नहीं, वो जो तीन खरगोश बगीचे में घूमते हैं, हो सकता है, उनमें से कोई उसे मुंह में दबाकर भाग गया हो। अपने बच्चों और दोस्तों के साथ खेल रहा हो।' पापा ने बहुत अलग बात कही, 'मुझे तो लगता है, इसकी फुटबॉल स्पेसशिप बनकर चांद पर चली गई है।'

'स्पेसशिप..!' अंतरिक्ष मुस्कराया फिर कुछ सोचता हुआ बोला, 'अगर मैं उस पर बैठा होता तो मैं भी चांद पर चला जाता।' उसकी बात सुन पापा हंसे। 'ठीक है, मैं अपनी दूसरी फुटबॉल लाता हूं। वह भी स्पेसशिप बन जाएगी। मैं दादाजी के साथ उस पर बैठकर चांद पर जाऊंगा।' अंतरिक्ष ने चहकते हुए कहा। 'फिर वहां क्या करोगे?' पापा ने पूछा। 'दादाजी से मैथ्स पढ़ूंगा। होमवर्क भी कर लूंगा। सुना है चांद पर आइसक्रीम के पहाड़ हैं। खूब आइसक्रीम भी खाऊंगा। आपके लिए भी ले आऊंगा।' अंतरिक्ष ने मजे से जवाब दिया। 'और जब नींद आएगी तो..?' दादी ने पूछा। 'नींद आएगी तो सो जाऊंगा।' अंतरिक्ष ने झट से जवाब दिया। 'मगर कैसे सोओगे। तुम्हें तो तब तक नींद ही नहीं आती, जब तक अपने बिस्तर पर न सोओ। और मम्मा तुम्हें कोई कहानी न सुनाए।' दादी बोलीं। अंतरिक्ष तुरंत बोला, 'वहां मेरे दादाजी होंगे न। वो कहानी सुना देंगे।' अंतरिक्ष एक पल रुककर यह भी बोला, 'मेरे साथ मम्मा, पापा, दादी, मेरी बुआ सब साथ चलेंगे। पूरी छुट्टियां हम वहीं रहेंगे।' 'जितना बड़ा तू, उससे छोटी तेरी फुटबॉल। उसमें बैठकर कौन-कौन जाएगा? उसके लिए तो असली वाला स्पेसशिप लाना पड़ेगा। लेकिन कहां मिलेगा स्पेसशिप?' दादाजी ने पूछा।

'पापा दिलवा देंगे मुझे। मैं उसे चलाना भी सीख लूंगा।' अंतरिक्ष बोला। तभी बगीचे में खड़-खड़ सुनाई दी। देखा कि एक खरगोश गमले में लगी गोभी को खाने के लिए चढ़ा था। उसने दूसरा गमला गिरा दिया। गमला टूट गया था। सारी मिट्टी बिखर गई। 'दादाजी खरगोश!' अंतरिक्ष चिल्लाया। दादाजी बाहर आए और जोर-जोर से खरगोश को डांटते हुए पूछने लगे, 'क्यों भई, अंतरिक्ष की फुटबॉल कहां छिपाकर आए हो? जल्दी वापस लाओ। तुम्हें मालूम नहीं, उसे अपनी फुटबॉल से स्पेसशिप बनाना है और चांद पर जाना है।' कहते हुए दादाजी खरगोश की तरफ बढ़े, तो वह भागकर गमले के पीछे छिप गया और मौका पाते ही गायब हो गया। दादाजी बोले, 'देखो तुम्हारी फुटबॉल लेने गया है। अभी दे जाएगा।' 'लेकिन वह तो चांद पर चली गई।' अंतरिक्ष ने अपनी गोल गोल आंखें घुमाईं। 'क्या पता न गई हो। इसके पास हो। नहीं लाया, तो हो सकता है, जो तुम कह रहे हो वही ठीक हो।' दादाजी को अंतरिक्ष से फुटबॉल की बातें करते बहुत मजा आ रहा था। 'अंतरिक्ष आकर दूध पियो। सोने का समय हो गया। सबेरे टेनिस खेलने जाना है।' मम्मा कह रही थीं।

पापा उसके लिए दूध ले आए। अपने कमरे की तरफ बढ़ते हुए अंतरिक्ष रह-रह कर चांद को देख रहा था। उसे लग रहा था कि गोल चांद ही कहीं उसकी फुटबॉल तो नहीं। वह सोते वक्त बार-बार मम्मा से यही पूछ रहा था, 'अगर फुटबॉल चांद बन गई है, तो वह पीली कैसे हो गई? वह तो लाल थी और इतनी चमक क्यों रही है?' अंतरिक्ष के सोने के बाद दादाजी बाहर गए तो पड़ोस की सिंधु आंटी पेड़ों के बीच से झांकती हुई बोलीं, 'अरे, यह अंतरिक्ष की फुटबॉल हमारे ड्रम में आकर गिर गई थी। अभी पानी निकालने लगे तो दिखाई दी।' पापा ने उसे अंतरिक्ष की कुर्सी पर रख दिया। दादी बोलीं, 'सबेरे उठेगा तो पूछेगा कहां से आई?' 'कह देंगे कि चांद आकर दे गया। कह गया है कि एक रात वह अंतरिक्ष को खुद आकर ले जाएगा।' बुआ ने हंसते हुए धीरे से कहा। रात बहुत हो गई थी। अंतरिक्ष भी मीठे सपनों में खोया था। वह हाथ-पांव फेंक रहा था, जैसे कि फुटबॉल के पीछे दौड़ रहा हो। *

कविता

सूर्यकुमार पांडेय

एआई इमेज

हम अच्छे इंसान बनें

बनना है तो चांद बनें,
शीतलता बिखरा दें हम ।
बनना है तो पवन बनें,
घर-घर मस्ती ला दें हम।
बनना है तो धूप बनें,
सबमें गरमाहट भर दें।
बनना है तो मेघ बनें,
धरती पर बारिश कर दें।
बनना है तो फूल बनें,
सभी ओर खुशबू बिखरे।
बनना है तो रूप बनें,
जो हर रोज नया निखरे।
अगर चाहते हैं दुनिया में,
हम भी बड़े-महान बनें।
उसकी पहली शर्त यही है,
हम अच्छे इंसान बनें।

रंग भरो-188

रंग भरो-188 में दिए गए चित्र को तुम लोगों ने बहुत अच्छे से रंगकर हमें भेजा। उनमें से चुना गया सबसे अच्छा चित्र हम यहां प्रकाशित कर रहे हैं। उसे रंगकर भेजने वाले बच्चे के चित्र के साथ कुछ अन्य बच्चों के नाम और चित्र भी प्रकाशित कर रहे हैं।

मयंक, गुना

तमन्ना, कोरबा

ईशान, ईमेल से

हिताक्षी, महेंद्रगढ़

आस्तिका, चांपा

आन्या, दुर्ग

इनके भी चित्र रहे प्रशंसनीय

अनिकेत-बिलासपुर, प्रियंका-रायपुर, राजन-भोपाल, कोमल-रोहतक, लोकेश-जबलपुर, कुसुम-महासमुंद, यश-रायगढ़, खुशी-भिवानी, सोहम-जांजगीर, कविता-कटनी, हितेश-दिल्ली, राकेश-धमतरी, अंकित-गुना, राकेश-बालोद, साकेत-हिसार

रंग भरो 189

बच्चो, यहां एक लड़के और जिराफ का एक प्यारा-सा ब्लैक एंड व्हाइट चित्र दिया गया है। तुम इस चित्र को मनचाहे रंगों से रंग कर हमें भेजो। जिस बच्चे का चित्र सर्वश्रेष्ठ होगा, उसे हम बालभूमि में प्रकाशित करेंगे। चित्र के साथ अपनी फोटो, अपना और शहर का नाम हमें इस पते पर भेजो- संपादक - फीचर, हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सेंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली- 110035 या ई-मेल आईडी balbhoomi-hb@gmail.com पर मेल करो।

खबर संक्षेप

अटेली में सिजेरियन आपरेशन कर सफल प्रसव

मंडी अटेली। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में अब सिजेरियन आपरेशन प्रसव सेवा सुलभ हो गई है। जो स्वास्थ्य मंत्रालय के प्रयासों का परिणाम है। वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. विजय यादव के दिशा निर्देशन में वीरवार को एक और सिजेरियन आपरेशन के द्वारा सफल प्रसव करवाया गया।

न्यायाधीश ने पैनल अधिवक्ताओं की ली बैठक

मंडी अटेली। नारनौल। जिले के नागरिकों को कानूनी जानकारी उपलब्ध कराने व राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने के उद्देश्य से जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष नरेंद्र सूरा ने वीरवार को न्यायालय परिसर में स्थित एडीआर सेंटर में पैनल अधिवक्ताओं व कानूनी स्वयंसेवकों के साथ बैठक की। जिसमें जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने अधिवक्ताओं को निर्देश दिए कि गांवों में सरपंचों की सहायता लेकर जागरूकता कैंप आयोजित करें, ताकि अधिक से अधिक लोगों को कानूनी जानकारी मिल सके। उन्होंने कहा कि प्राधिकरण का मुख्य लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि कमजोर वर्ग के किसी भी नागरिक को न्याय प्राप्त करने में परेशानी ना हो।

सुहेल दास गणतंत्र परेड शिविर के लिए चयनित

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई के स्वयंसेवक सुहेल दास का चयन पूर्व गणतंत्र परेड शिविर 2025 के लिए हुआ है। विवि के कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार और समकुलपति प्रो. पवन कुमार शर्मा ने सुहेल दास को इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विवि में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के समन्वयक डॉ. प्रदीप कुमार ने बताया कि सुहेल दास का चयन 17 सितंबर को इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर रेवाड़ी में आयोजित राज्य स्तरीय ट्रायल के बाद हुआ।

नागरिक अस्पताल को मिला हड्डी रोष विशेषज्ञ

नारनौल। गांव रघुनाथपुरा निवासी डॉ. धर्मेंद्र ने नागरिक अस्पताल में हड्डी रोग विशेषज्ञ के रूप में ज्वाइन किया है। इस प्रकार नागरिक अस्पताल को एक नया हड्डी रोग विशेषज्ञ मिला है। इससे पूर्व डॉ. धर्मेंद्र नागरिक अस्पताल के इमरजेंसी विभाग में कार्य कर चुके हैं। इसके अलावा उन्होंने सीएचसी अटेली व पीएचसी दोचाना में भी अपनी सेवाएं दी है। वर्ष 2022 से 2025 तक पीजीआईएमएस रोहतक से ऑर्थोपेडिक्स विभाग में स्नातकोत्तर की। स्नातकोत्तर पूरी होने के बाद उन्होंने नागरिक अस्पताल में हड्डी रोग विशेष के रूप में ज्वाइन किया है।

जेरपुर-पाली रेलवे स्टेशन के नजदीक अंडरपास की मांग को लेकर महापंचायत

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

करीब ढाई साल पुरानी जेरपुर–पाली रेलवे स्टेशन के समीप अंडरपास बनाने की मांग गुरुवार को पुनः जोरशोर से उठाई गई। इस उद्देश्य को लेकर जेरपुर, पाली, लावण, मालड़ा, पालड़ी एवं सिसोठ जैसे आसपास के करीब 50 गांवों के सरपंचों एवं गणमान्य लोगों की एक महापंचायत का आयोजन किया गया। महापंचायत में सरकार से अतिशीघ्र अंडरपास बनवाने की मांग की गई। साथ ही चेतावनी भी दी गई कि यदि जल्द ही सुनवाई नहीं की गई तो बड़ा आंदोलन छेड़ा जाएगा। इस मौके पर महापंचायत में जागरूक ग्रामीण वक्ताओं ने बताया कि जेरपुर–पाली स्टेशन के नजदीक अंडरपास की मांग करीब ढाई वर्षों से की जा रही है।

जल्द ही सुनवाई नहीं की गई तो अंदोलन किया जाएगा

महेंद्रगढ़। महापंचायत को संबोधित करते पाली के सरपंच देशराज। *फोटो: हरिभूमि*

अंडरपास नहीं होने से रेलवे लाइनें भारत–पाकिस्तान बॉर्डर की भांति एलओसी का काम कर रही हैं और 25–30 गांवों के ग्रामीण आपस में एक–दूसरे से कटे हुए हैं। उन्होंने बताया कि पहले इन गांवों के लोग एक–दूसरे के गांव में 10–15 मिनट में पहुंच जाया करते थे, लेकिन इन लाइनों के कारण सवारी ही नहीं, मालगाड़ियों का भारी संख्या में आवागमन होता है तथा रेल पटरियों पर से पैदल लोगों का गुजरना ही नहीं, दुपहिया बाइक, स्कूटी एवं चार पहिया गाड़ी कार वगैरा का भी इन पर से गुजरना बंद हो गया है। प्लेटफार्म नया बनने एवं बढ़ने से यह परेशानी उत्पन्न हुई है। इसे क्रॉस करना काफी मुश्किल है। ब्याह शादी एवं सुख–दुख में आने–जाने में भी परेशानी होती है। बड़े–बुजुर्गों, महिलाओं एवं बच्चों का आना–जाना तो बेहद दुष्कर हो गया है। इस कारण लोगों को चार–पांच किलोमीटर दूसर से घूमकर आना–जाना पड़ता है। इससे उनका समय एवं धन दोनों व्यर्थ बर्बाद हो रहे हैं। यहां पर एक अंडरपास की सख्त आवश्यकता है। इसकी मांग पहले भी उठाई जा चुकी है।

21 लोगों की कमेटी गठित

महापंचायत में सरपंच एसोसिएशन एवं एक्स सर्विसमैन लीग ने भी भाग लिया और महापंचायत को खुला समर्थन देते हुए इस संघर्ष में कदम से कदम मिलाकर चलने का आश्वासन दिया। महापंचायत में भावी रणनीति भी तैयार की गई तथा इस रणनीति पर चलने के लिए रेलवे स्टेशन जेरपुर-पाली अंडरपास कमेटी का गठन किया गया, जिसमें 21 सदस्यों को शामिल किया गया। इनमें कप्तान दयाराम सिंह जेरपुर, सरपंच देशराज सिंह पाली, सरपंच विजयपाल पालड़ी, कैप्टन रामचंद्र पालड़ी, सरपंच रविंद्र ऊष्मापुर, सरपंच हंसराज मांडोला, प्रेम फौजी पाली, दीपचंद सेन मांडोला, हरिओम पूर्व सरपंच ऊष्मापुर, बहादुर सिंह नंबरदार जेरपुर, सूबेदार राजबीर पालड़ी, सूबेदार मेजर रामकिशन साहब पाली, अमित सरपंच धौली, संदीप मालड़ा, योगेश शर्मा जेरपुर, सूबेदार अवधेश पाली, सुधीर मांडोला, सीताराम जेरपुर, मोहित पंच जेरपुर, अश्विनी पालड़ी तथा विक्रम जेरपुर शामिल हैं। यह कमेटी न केवल क्षेत्र के विधायक से मिलकर मदद मांगेगी, बल्कि सांसद का भी सहयोग लिया जाएगा।

यह रहे मौजूद

इस महापंचायत में कुलदीप सरपंच लावन, राजेंद्र सरपंच जेरपुर, पूर्व सरपंच सुरेंद्र जेरपुर, सरपंच हंसराज मांडोलो, पूर्व सरपंच बृजलाल जेरपुर, सरपंच कर्मबीर गढ़ी, सरपंच योगेश शास्त्री डिगरोता, सरपंच वीरेंद्र मांडोर निंची, सरपंच देवेंद्र दूलोठ अहीर, सरपंच रामसिंह मांडोर ऊंची, सरपंच रणबीर सोहड़ी, सरपंच वीरभद्र पायगा, सरपंच विक्रम निंबी, सरपंच राजकुमार जाटवास, सरपंच राजबीर खायरा, सरपंच विजयपाल पालड़ी, सरपंच देशराज पाली, सरपंच सतीश खातोद, डा. धर्मेंद्र सरपंच डुलाना, सरपंच प्रवीण माजरा, सरपंच कमल जासारावास, सरपंच विरेंद्र सिसोठ आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

पशुओं के दूध की धौक लगाने में भी दिक्कत

ग्रामीणों ने बताया कि यहां नजदीक के गांवों में कई मंदिर एवं धाम लगते हैं और जब कोई नई भैंस दूध देती है तो उसका पहला दूध प्रसाद के रूप में मंदिर में देवता को चढ़ाते हैं, लेकिन अब दो–ढाई साल से यह बंद है, क्योंकि परिवार की बड़ी–बुजुर्ग महिलाएं रेल पटरियों से आने–जाने में असमर्थ हो गई हैं और जब तक वह मंदिर भोग लगाने जाती हैं, तब तक भैंस दूध देना बंद कर चुकी होती है। वह नई भी नहीं होती है और उसे मजबूरन कटुओं को देना पड़ता है।

एसपी पूजा वशिष्ठ ने युवाओं से किया नशे से दूर रहने का आह्वान

राता कलां में रात्रि ठहराव में डीसी ने नागरिकों से किया सीधा संवाद

सभी नागरिक सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाएं: उपायुक्त

हरिभूमि न्यूज ⏭ मंडी अटेली

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देश अनुसार जिला प्रशासन की ओर से बुधवार को जिला के गांव राता कलां में रात्रि ठहराव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार ने नागरिकों से सीधा संवाद किया तथा उनकी समस्याओं को सुना। इस मौके पर सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग की सांस्कृतिक टीमों ने सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों का रागिनियों के माध्यम से बखान किया।

राजस्व विभाग से जुड़े कार्य भी ऑनलाइन कर दिए गए हैं

नारनौल। रात्रि ठहराव में समस्याएं सुनते डीसी व एसपी।

नागरिकों को संबोधित करते हुए उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार ने कहा कि सभी नागरिक सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाएं। हरियाणा सरकार ने सभी सेवाओं और योजनाओं को ऑनलाइन कर दिया है। सरकार ने अब राजस्व विभाग से जुड़े कार्य भी ऑनलाइन कर दिए गए हैं। डिजिटल युग में सभी नागरिक ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से सरकार की सेवाओं का लाभ उठाएं। अब रजिस्ट्री करवाने के लिए नागरिकों को बार बार राजस्व विभाग के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ ने नागरिकों से नशे से दूर रहने का आह्वान किया। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे खेल जैसी गतिविधियों से जुड़े रहें। गांव की सरपंच रजनी देवी ने सभी अधिकारियों का गांव में पहुंचने पर स्वागत किया। इस मौके पर एडीसी उदय सिंह, एसडीएम अनिरुद्ध यादव, नगराधीश डॉ. मंगल सेन के अलावा अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

विभागों ने स्टाल लगा कर दी सेवाएं

उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार की अध्यक्षता में लगाए गए इस रात्रि ठहराव कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विभागों ने अपना स्टॉल लगाया। इस दौरान अधिकारियों ने राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी तथा मौके पर ही नागरिकों को सेवाएं भी दी। लोगों ने भी इन योजनाओं व सेवाओं का फायदा उठाया। आयुष तथा स्वास्थ्य विभाग की तरफ से लगी स्टाल पर स्वास्थ्य जांच व दवाइयां वितरित की गई। इसके अलावा विभागों ने विभिन्न योजनाओं से संबंधित आवेदन भी करवाए। वहीं परिवार पहचान पत्र से संबंधित समस्याओं का भी निराकरण किया गया।

विकसित भारत के लिए नीडोनॉमिक्स की प्रासंगिकता विषय पर व्याख्यान

- प्रो. मदन मोहन गोयल ने विद्यार्थियों को किया संबोधित

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ बिजनेस एंड मैनेजमेंट स्टडीज द्वारा गुरुवार को 'विकसित भारत के लिए नीडोनॉमिक्स की प्रासंगिकता विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। आयोजन में तीन बार कुलपति रहे नीडोनॉमिक्स स्कूल ऑफ थॉट के प्रवर्तक और कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त प्रोफेसर मदन मोहन गोयल मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। प्रो. मदन मोहन गोयल ने अपने संबोधन में कहा कि विकसित भारत 2047 के लक्ष्य की दिशा में आगे बढ़ने के लिए हमें नीडोनॉमिक्स से प्रेरित पर्यावरण-मैत्रीपूर्ण दृष्टिकोण अपनाना होगा।

महेंद्रगढ़। प्रो. मदन मोहन गोयल को सम्मानित करते समकुलपति प्रो. पवन कुमार शर्मा।

विषय की रुप रेखा बताई

कार्यक्रम में स्वागत भाषण प्रो. रंजन अनेजा, डीन, स्कूल ऑफ बिजनेस एंड मैनेजमेंट स्टडीज ने दिया और उन्होंने प्रो. गोयल का परिचय प्रस्तुत किया। प्रबंधन अध्ययन विभाग के प्रो. आनंद शर्मा ने विषय की रूपरेखा प्रतिभागियों के समक्ष प्रस्तुत की। कार्यक्रम के अंत में प्रो. पायल कंवर चंदेल, डीन, स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

नीडो-ट्रेड की अवधारणा पर डाला प्रकाश

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के समकुलपति प्रो. पवन कुमार शर्मा ने प्रो. मदन मोहन गोयल का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि प्रो. मदन मोहन गोयल ने जो विषय प्रस्तुत किया है, वह विद्यार्थियों के लिए महत्त्वपूर्ण है और इससे विद्यार्थी अवश्य ही लाभांवित होंगे। इस अवसर पर प्रो. ए.पी. शर्मा, प्रो. सुशीला, विभागाध्यक्ष, वाणिज्य विभाग तथा प्रो. अमनदीप, विभागाध्यक्ष, अर्थशास्त्र विभाग भी उपस्थित रहे। आयोजन में मुख्य वक्ता प्रो. मदन मोहन गोयल ने उपभोग, बचत, उत्पादन, निवेश और वितरण जैसी आर्थिक गतिविधियों में नीडो-व्यवहार की आवश्यकता पर बल दिया। साथ ही उन्होंने नीडो-ट्रेड की अवधारणा पर प्रकाश डाला, जो वैश्विक सोच और स्थानीय क्रिया के सिद्धांत पर आधारित है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत को नीडो-निर्यात का केंद्र बनने के लिए विपणन में एन.ए.डब्ल्यू दृष्टिकोण के अंतर्गत आवश्यकता, सामर्थ्य और मूल्य को अपनाना होगा, जो नीडो-उपभोग द्वारा संचालित हो।

श्री बाल गोपाल गोशाला में गोपाष्टमी पर किया हवन

मंडी अटेली। गोपाष्टमी के अवसर पर श्री बाल गोपाल गोशाला बिहाली में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस मौके पर गौमाता की पूजा के बाद पंडित मुकेश ने हवन यज्ञ किया। जिसमें मास्टर कालू राम यादव ने यजमान की भूमिका निभाई। पंडित मुकेश शर्मा ने कहा कि गोमाता हमारी माता है और हमें उनकी सेवा और पूजा करनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि गाय हमें दूध, गोबर और अन्य उपयोगी चीजें प्रदान करती है, इसलिए हमें उनकी सेवा और पूजा करनी चाहिए। गांव रामपुरा के कप्तान महेन्द्र सिंह शर्मा और उनके भाई रोहताश शर्मा ने गौशाला में दान कर दो गाएं गोद ली। इस मौके पर गोशाला के प्रधान कप्तान महाबीर सिंह, मैनेजर बलबीर, सरपंच मदनलाल, बद्री प्रसाद, सुरेंद्र, सतबीर आदि ने गोमाता की सेवा और पूजा का संकल्प लिया और गौशाला के विकास के लिए काम करने का वचन दिया।

मंडी अटेली। गोपाष्टमी कार्यक्रम में हवन यज्ञ करते हुए। *फोटो: हरिभूमि*

धौलपोश गोशाला में 108 कुंडीय यज्ञ एवं अन्नकुट प्रसाद बांटा

महेंद्रगढ़। गोशाला में आयोजित यज्ञ में भाग लेते हुए। *फोटो: हरिभूमि*

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

श्री गोशाला आश्रम धौलपोश में गोपाष्टमी के पर्व पर 108 कुंडीय यज्ञ का आयोजन किया गया, जिसमें 108 जोड़ों ने हवन में आहुतियां दी। डॉ. निलेश मुद्गल यज्ञ पुरोहित तथा वेदप्रकाश आर्य एवं पतंजलि परिवार द्वारा यज्ञ का कुशल प्रबंधन किया गया।

महान संत बाबा धौलपोश व गोमाता को भोग लगाकर हजारों लोगों ने अन्नकुट प्रसाद ग्रहण किया एवं समस्त महेंद्रगढ़ के निवासियों को अन्नकुट प्रसाद वितरित किया गया। चेयरपर्सन आरपीएस ग्रुप आफ इंस्टीट्यूशंस डॉ. पवित्रा राव ने 50 से अधिक वेटरनरी साइंस के स्टूडेंट को श्री गोशाला धोलपोश भेजा, ताकि यज्ञ एवं गोवंश आधारित ज्ञान प्राप्त कर सकें। पूर्व शिक्षा मंत्री प्रोफेसर रामबिलास शर्मा, विधायक कंवर सिंह यादव, रिटायर्ड एसडीओ फूलसिंह यादव व पूर्व पार्षद कृष्णा शर्मा का मार्ग दर्शन प्राप्त हुआ।

छात्रों ने दिया नशामुक्त समाज का संदेश

हरिभूमि न्यूज ⏭ मंडी अटेली

पुलिस महानिदेशक हरियाणा के निर्देशानुसार राजकीय महाविद्यालय अटेली में नशा रोकथाम जागरूकता अभियान के तहत एक विशेष नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थाना प्रभारी देवेंद्र कुमार रहे। इस मौके पर महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने समाज में बढ़ रही नशे की प्रवृत्ति पर भावनात्मक और सशक्त अभिनय के माध्यम से गहरा संदेश दिया। नाटक में दर्शाया गया कि किस प्रकार नशे की लत न केवल एक व्यक्ति का जीवन बर्बाद करती है, बल्कि पूरे परिवार और समाज को भी प्रभावित करती है। विद्यार्थियों ने यह संदेश दिया कि नशे से दूर रहकर ही जीवन में सच्ची सफलता और सम्मान प्राप्त किया जा सकता है। सहायक प्राचार्य नीरज चौहान ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि नशा एक ऐसा जाल है जो धीरे-धीरे व्यक्ति की सोच, स्वास्थ्य और भविष्य को नष्ट कर देता है। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे अपने जीवन में ऐसे कार्य करें जो समाज और देश के विकास में योगदान दें।

मंडी अटेली। विद्यार्थियों नशे से होने वाले दुष्परिणामों के बारे में बताते हुए थाना प्रभारी देवेंद्र कुमार।

नशे से रहें दूर

देवेंद्र कुमार ने कहा कि युवाओं की ऊर्जा देश की सबसे बड़ी ताकत है इसे नशे में नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण में लगाना चाहिए। कार्यक्रम में अक्षत के द्वारा मंच संचालन किया गया और विद्यार्थियों को मंच संचालन के माध्यम से विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने और दूसरों को भी जागरूक करने का संदेश दिया गया।

गोपाष्टमी पर डोसी धाम पर बांटा अन्नकूट

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

श्री च्यवन ऋषि तपोस्थली ढोसी धाम की तलहटी के परिक्रमा मार्ग में कृष्ण कुंड हर की पैडी उर्फ कुकर कुंड पर महंत गजेन्द्र दास बड़ा मंदिर, महंत प्रेमदास महाराज कुलताजपुर व था ना ग्रामवासियों की ओर से गोपाष्टमी के पावन पर्व पर रात्रि जागरण व अन्नकूट भंडारे का आयोजन किया गया। बता दें कि गोवर्धन पर्व, गोपाष्टमी, देवउठनी एकादशी व कार्तिक पूर्णिमा की सात किलोमीटर की परिक्रमा लगाई जाती है। इस पूर्ण परिक्रमा के मार्ग में डोसी धाम के शिव कुंट, पंचपीर्थी, सूर्य कुंड, चंद्र कूप व कुकर कुंड यह पांच बड़े तीर्थ आते है। यह परिक्रमा मंदिर श्री गोपाल कुलताजपुर से शुरू होती है और यही पर आकर परिक्रमा का समापन होता है।

- परिक्रमा मंदिर श्री गोपाल कुलताजपुर से शुरू होती है

नारनौल। अन्नकूट में प्रसाद ग्रहण करते हुए।

सरदार पटेल की जयंती पर एकता मार्च

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय तथा जिला प्रशासन की ओर से देश के लौह पुरुष एवं महान राष्ट्र निर्माता सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर राष्ट्रव्यापी सरदार @ 150 यूनिटी मार्च (एकता मार्च) का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम को लेकर वीरवार को उपयुक्त कैप्टन मनोज कुमार ने कार्यक्रम स्थल का जायजा लिया। इस दौरान उनके साथ पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ भी मौजूद थी।

डीसी ने बताया कि भिवानी महेंद्रगढ़ के सांसद चौधरी धर्मवीर सिंह इस एकता मार्च को हरी झंडी दिखाएंगे। इस मौके पर महेंद्रगढ़ के विधायक कंवर सिंह यादव भी मौजूद रहेंगे। उपायुक्त ने बताया कि यह मार्च एक भारत, आत्मनिर्भर भारत की थीम पर आधारित है। इसी कड़ी में सुबह 10:30 बजे एक जिला स्तरीय पदयात्रा आयोजित की जाएगी। यह ऐतिहासिक यात्रा दौगड़ा अहीर के खेल स्टेडियम से शुरू होगी और नांगल सिरोही में समाप्त होगी। उन्होंने बताया कि पदयात्रा का रूट दौंगड़ा अहीर से शुरू होकर भालखी चौक, एन एच 152-डी कट, कोथल कलां में शहीद स्मारक तथा खातीवास चौक होते हुए नांगल सिरोही पहुंचेगा।

सरदार @150 यूनिटी मार्च कल दौंगड़ा अहीर से नांगल सिरोही तक

नारनौल। कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण करते उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार।

शुरूआत में सभी प्रतिभागी टीमों के लिए एक स्क्रीनिंग टेस्ट किया

पीजी कॉलेज में विज्ञान क्विज प्रतियोगिता का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

राजकीय कॉलेज में जिला स्तरीय विज्ञान क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। संयोजक डॉ. सतीश सैनी ने जानकारी देते हुए बताया कि इस प्रतियोगिता में जिले के 12 कॉलेजों की 19 टीमों ने भाग लिया। उन्होंने बताया कार्यक्रम कि शुरूआत में सभी प्रतिभागी टीमों के लिए एक स्क्रीनिंग टेस्ट आयोजित किया गया। जिसके आधार पर आठ श्रेष्ठ टीमों का चयन मुख्य क्विज राउंड हेतु किया गया। मुख्य प्रतियोगिता में चार राउंड आयोजित किए गए। जिसमें नॉलेज राउंड, एक्टिविटी राउंड, विजुअल राउंड व रैपिड फायर राउंड शामिल थे। इन चारों राउंडों के संयुक्त अंकों के आधार पर शीर्ष पांच टीमों का चयन गुरुग्राम में होने वाली मंडल स्तरीय प्रतियोगिता हेतु किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि डॉ. पूरन प्रभा जिला उच्च शिक्षा अधिकारी रही। उन्होंने अपने प्रेरणादायक संबोधन में छात्रों को विज्ञान के प्रति जागरूक रहने व नवाचार की दिशा में आगे बढ़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आज के युग में विज्ञान हमारे जीवन का अभिन्न अंग है। इस प्रकार की प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण को प्रोत्साहित करती हैं। कॉलेज प्रभारी प्राचार्य डॉ. हवासिंह ने सभी अतिथियों व प्रतिभागियों का स्वागत किया।

नारनौल। जिला स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेते विद्यार्थी।

क्विज कार्यक्रम सफल

कार्यक्रम के संयोजक डॉ. सतीश सैनी ने क्विज के नियम, प्रक्रिया व संरचना की जानकारी दी। डॉ. पलक ने क्विज मास्टर के रूप में अपनी भूमिका अत्यंत दक्षता, स्पष्टता और कुशलता से निभाई। डॉ. पारुल ने स्कोरर के रूप में सभी प्रतिभागियों के अंकों का सावधानीपूर्वक संकलन किया। क्विज आयोजन समिति के सदस्य डॉ. सतपाल सुलोदिया, डॉ. विजेंद्र, डॉ. गोविंद, डॉ. धवनीत, डॉ. धीरज, डॉ. प्रियका व डॉ. ज्योति जिंदल ने कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

ग्रेप 3 आदेश लागू करने की गुहार

क्रेशर जोन में हवा की गुणवत्ता खराब होने से ग्रामीणों को सांस लेने में परेशानी

हरिभूमि न्यूज ⏭ निजामपुर

जिले में हवा में प्रदूषण की मात्रा 150 एक्यूआई के पार पहुंच गई, लेकिन क्रेशर जोन में करीब 450 एक्यूआई के आसपास होने का अनुमान है। जिससे 15 से अधिक गांवों के लोगों को सांस लेने में परेशानी बनी हुई है। उन्होंने जिला उपायुक्त से ग्रेप तीन आदेश लागू करने व औद्योगिक इकाइयों पर तुरंत प्रभाव से प्रतिबंध लगाने की गुहार लगाई है। समस्या का समाधान नहीं होने पर परेशान ग्रामीणों ने धरना प्रदर्शन का अल्टीमेटम दिया है।

धौलेड़ा, बिगोपुर, मेघोत बींजा, जैनपुर, खातोली, बखरीजा, गोलवा, गांगोताना, बायल के ग्रामीणों ने बताया कि दीपावली के पास जिले की हवा में प्रदूषण की मात्रा 390 एएक्यूआई तक पहुंच गई थी। इसके बाद सरकार ने ग्रेप दो लागू करके सड़कों उड़ने वाली धूल तथा तथा कचरा जलाने पर प्रतिबंद लगाया। जिससे जिले के अधिकांश गांवों में प्रदूषण की मात्रा कम हुई थी, लेकिन क्रेशर जोन में स्थिति यथावत बनी हुई है। वर्तमान में 450 एक्यूआई होने का अनुमान है। उन्होंने तर्क दिया कि रातभर 300 से अधिक क्रेशरों पर पत्थरों की पिसाई होती है। जहां चारदीवारी का प्रबंध नहीं होने के कारण डस्ट खुले आसमान में उड़ती है। इसके अलावा सड़कों पर तेज रफ्तार से डंपरों का आवागमन होने लगा है। जिस कारण गांवों में धूल के बादल छाए रहते हैं। प्रदूषित वातावरण में ग्रामीणों को सांस लेना भी दुर्भर बना हुआ है। रात का क्रेशरों की डस्ट घरों की छतों पर जमनी आरंभ हो गई, जो हवा के साथ दिनभर उड़ती रहती है। हालांकि गांवों के आसपास सड़कों पर पानी का छिड़काव भी होता है, लेकिन डंपरों की अधिकता तथा डस्ट के प्रभाव से चंद घंटों में पानी सूख जाता है।

खास बातें
- पत्थर पिसाई की डस्ट व सड़क पर उड़ने वाली धूल ने दमा रोगियों की बढ़ाई परेशानी
- किसानों की फसलों को नुकसान
- वाहन चालक भी हो रहे परेशान

डंपरों की आवाजाही से मुसीबत

ग्रामीण युवा नहीं कर पाते शारीरिक अभ्यास, दुर्घटना का खतरा

मनोज कुमार, बिक्रम सिंह, राहुल कुमार, राजेश कुमार, महेश कुमार, विशाल देव, अविनाश ने बताया कि ग्रामीण युवाओं में फौज, पुलिस तथा अर्द्ध सैनिक बल में भर्ती होने का जुनून रहता है। इसके लिए विभिन्न गांवों की सड़कों पर सुबह चार बजे शारीरिक अभ्यास करने वाले युवाओं की कतार देखी जाती है, लेकिन अब क्रेशरों की डस्ट और डंपरों की तेज रफ्तार से भयभीत युवाओं ने शारीरिक अभ्यास करना बंद कर दिया। ऐसे में उन्हें सरकारी नौकरी से वंचित रहने की चिंता सताने लगी है।

निजामपुर। धोलेड़ा क्रेशर जोन में मापदंडों पर अनफिट क्रेशर संचालित।

ग्रेप तीन आदेश लागू होने पर क्रेशर संचालन पर लगेगा प्रतिबंध

प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड के एसडीओ अनुज नारवाल ने बताया कि ग्रेप दो लागू है। जिसमें कचरा जलाने तथा सड़क पर धुल साफ करने का प्रावधान है। ग्रेप तीन लागू होने पर माइंस व क्रेशर चलाने की अनुमति नहीं होती। उन्होंने बताया कि क्रेशर संचालकों को निर्धारित मापदंडानुसार ही पत्थर पिसाई करने के निर्देश हैं। औचक निरीक्षण में अनियमिताएं मिलने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

फसलों को नुकसान होने से किसान चिंतित

बिगोपुर, धौलेड़ा के किसानों ने बताया कि सरसों की फसल अंकुरित होने लगी है, लेकिन क्रेशर जोन के पास खेतों में डस्ट जमने लगी है जिसके प्रभाव से पौधों की ग्रोथ रूक गई। कई खेतों में सरसों उखड़ने लगी है और नमी भी सूखनी आरंभ हो गई। ऐसे में पीड़ति किसान सूखे खेतों में दुबारा बीजाई नहीं कर पाएंगे और आर्थिक नुकसान भी झेलना पड़ेगा।

खबर संक्षेप

किसानों को सरसों के बीज उपलब्ध करवाएंगे

नांगल चौधरी। कृषि विभाग ने बिजाई से वंचित किसानों को पछेती वैरायटी का बीज उपलब्ध कराने की योजना बनाई है। योजना के मुताबिक ब्लॉक स्तरीय कार्यालयों में सप्लाई पहुंच चुकी। जिसे वितरण के लिए खंड कृषि अधिकारी को जिम्मेवारी सौंपी गई है। बीएओ डॉ. हरीश यादव ने बताया कि विभिन्न गांवों में सरसों की बिजाई संपन्न हो चुकी है, लेकिन बीते दिनों कई गांवों में फसल को धोलिया रोग लगने की शिकायत मिली थी। किसान दोबारा बिजाई के लिए संपर्क किया था, लेकिन उन्हें बाजार में पछेती वैरायटी का बीज नहीं मिला। शिकायत मिलने पर विभाग ने पछेती वैरायटी की विभिन्न किस्म का बीज भेजा है।

बच्चों ने तम्बाकू निषेध जागरूकता रैली निकाली

महेंद्रगढ़। उमण्डल के गांव मांडोला के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के स्टाफ सदस्यों व विद्यार्थियों द्वारा तम्बाकू निषेध जागरूकता रैली निकाली गई। प्रवक्ता सुरेश कुमार खिंची ने बताया कि तम्बाकू का सेवन स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। एक स्वस्थ समाज के लिए मादक पदार्थों का सेवन नहीं करना चाहिए। इस पर कविता पाठन एवं पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता भी आयोजित करवाई गई। विद्यालय प्रभारी सुकेश देवी ने कहा की किसी भी प्रकार का तम्बाकू सेवन हमारे स्वास्थ्य के लिये बहुत हानिकारक है। इस अवसर पर कृष्ण कुमार गणित प्रवक्ता, रोशनलाल, पुष्पा रानी, संजय यादव, कृष्ण डीपीई, भूपेंद्र सिंह, वीणा व अन्य मौजूद रहे।

क्षमता संवर्धन के लिए प्रशिक्षण आयोजित

महेंद्रगढ़। राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद गुरुग्राम के मार्गदर्शन में जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान द्वारा जिले के विज्ञान एवं गणित अध्यापकों को वर्चुअल लैब में पारंगत बनाने हेतु पांच दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में जारी है। डाइट प्राचार्य सुनील दत्त ने बताया कि नई शिक्षा नीति अनुसार अध्यापकों की क्षमता वर्धन हेतु प्रशिक्षण का आयोजन किया जा रहा है। प्रशिक्षण में मुख्य ट्रेनर डाइट से राजेश कुमार प्रवक्ता रसायन विज्ञान व डॉ. किरण यादव प्रवक्ता गणित द्वारा अध्यापकों को एआई के बारे में जानकारी दी।

महिला पंच ने जड़े आरोप, स्ट्रीट लाइट खराब होने से परेशानी

दौगड़ा अहीर की फिरनी की स्ट्रीट लाइट खराब ,सरपंच पर मनमानी का आरोप

नीरज कुमार ⏭ मंडी अटेली

खंड सिहमा के गांव दौगड़ा अहीर की फिरनी पर से अधिकतर स्ट्रीट लाइट खराब होने के चलते सड़क पर शाम होते ही अंधेरा छा जाता है। सड़क पर लगी अधिकतर स्ट्रीट लाइटें काफी समय से खराब पड़ी हुई हैं। इससे रात्रि में वाहन चालकों और राहगीरों को कई दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। इस सड़क पर लोगों की सुविधा के लिए स्ट्रीट लाइटों को लगाया गया था। इसके अलावा गांव के आधा दर्जन दर्जन रास्तों की नालियों पर लोहे की चैनल नहीं होने के चलते नालियों को गंदा पानी सड़क पर बह रहा है। इसके साथ ही गांव में बना एक पार्क में ट्रांसफॉर्म भी लगाया गया है। जिसमें शॉर्ट सर्किट होने का खतरा भी बना हुआ है। इसी पार्क में बिजली के खंभे जर्जर अवस्था नीचे झुके हुए हैं, जो कभी भी नीचे गिर सकते हैं। इस पार्क का उद्घाटन पूर्व मुख्यमंत्री एवं मौजूदा केंद्रीय मंत्री मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने रिमोट कंट्रोल से पांच मई 2018 को किया था। वहीं दौगड़ा अहीर में ग्राम पंचायत में विकास कार्य करवाए जा रहे हैं। दौगड़ा अहीर की लगभग 10 हजार की आबादी है। लगभग 3600 मतदाता है। ग्राम पंचायत में 13 पंच एवं एक महिला सरपंच है। ग्राम पंचायत में अनुसूचित जाति के लिए एक 13 वार्ड रिजर्व है। कोरम पूरा होने पर भी अनुसूचित जाति पंच को विशेष अधिकार दिए गए हैं। जिसके चलते अनुसूचित जाति महिला पंच सोमवती ने महिला सरपंच सुनीता देवी पर आरोप लगाया कि पिछले आठ माह से किसी भी प्रस्ताव पर उसके हस्ताक्षर नहीं है। गांव में हो रही मनरेगा स्कीम के तहत कार्यों में सरपंच अपने चहेते से कार्य करवाता है।

मंडी अटेली। बिजली के खंभे पर लगे सीसीटीवी कैमरे व खंबे पर लगी खराब स्ट्रीट लाइटें तथा पार्क में जर्जर अवस्था में बिजली का खंभा। *फोटो: हरिभूमि*

मंडी अटेली। सड़क पर नाली पर लोहे की चैनल नहीं होने के चलते सड़क पर फैला गंदा पानी। *फोटो: हरिभूमि*

लाखों रुपये का रहे है बेकार

ग्रामीण राजेंद्र ने बताया कि लाइट लगाने में लाखों रुपये खर्च हुए लेकिन रखरखाव की जिम्मेदारी तय नहीं की गई। सरकारी योजनाओं का लाभ तभी मिलेगा जब पंचायतें सक्रिय रहेंगी। गांव की गलियां एक समय पूरी तरह रोशन थी, लेकिन अब अंधेरे में हैं। पंचायत और बिजली विभाग को तुरंत एक्शन लेकर सभी लाइटें चालू करवानी चाहिए।

राजेंद्र

कभी-कभी जलती है स्ट्रीट लाइट

रमेश परसा ने बताया कि बिजली बिलों में सरकार पंचायत टैक्स के नाम से कर वसूल रहीं हैं और स्ट्रीट लाइट कभी जलती ही नहीं। बिजली बिल के इस पंचायत टैक्स के बोझ से किसान मजदूर तबका ठगा हुआ महसूस करता है। जिला प्रशासन से मांग है कि सभी लाईटों को चालू करवाए। जब टैक्स काटा जा रहा है तो ग्रामीणों को रोशनी भी मिलनी चाहिए।

रमेश परसा

गांव की फिरनी की हालत खस्ता

महिला संतोष ने बताया कि गांव में स्वच्छता दम तोड़ती नजर आ रही है। गांव में न तो पानी की निकासी की व्यवस्था दुरुस्त है और न ही गांव की गलियां पक्की और स्वच्छ हैं। यहां अधिकतर सड़कें कीचड़ से अटी पड़ी है। गांव की मुख्य पुलिया टूटने की कगार पर है। गांव की फिरनी भी विकास का इंतजार कर रही है। ग्रामीण इससे परेशान हो रहे है।

संतोष देवी

जरूरतमंदों को नहीं मिल रहा मनरेगा का लाभ

वार्ड से 13 अनुसूचित जाति महिला पंच सोमवती ने बताया कि ग्राम पंचायत को बने हुए लगभग तीन वर्ष का समय हो गया है। परंतु अभी तक उनके वार्ड में ग्राम पंचायत द्वारा एक भी कार्य नहीं करवाया गया है। मनरेगा स्कीम के तहत किए जाने वाले कम पर भी उन्होंने अनेक नाम दिए थे। परंतु उनके नाम की तवज्जो नहीं दी जाती है। चार से पांच लोगों हमेशा जब भी कार्य चलता है।

पंच सोमवती

ग्राम पंचायत के अंडर नहीं है लाइट

सरपंच प्रतिनिधि बबरू भान ने बताया कि गांव फिरनी में लगी स्ट्रीट लाइट उनके अंडर में नहीं है। इन स्ट्रीट लाइटों को लगे हुए छह से सात माह हुआ है। बरसात के मौसम में इन स्ट्रीट लाइटों में करंट भी आ गया था। वहीं बिजली के केवल एक खंभे सीसीटीवी कैमरे जरूर लग रहे होंगे।

ग्राम पंचायत करवाती है कनेक्शन

जिला प्रमुख डा. राकेश कुमार ने बताया कि स्ट्रीट लाइट उनके द्वारा लगाने के बाद ग्राम पंचायत उनका कनेक्शन करवाती है। एक वर्ष तक उनका रखरखाव का कार्य वैंडर का होता है। आगे का कार्य बिजली निगम और ग्राम पंचायत के समन्वय से होना होता है ।

राव सुल्तान सिंह मेमोरियल किड्स प्ले स्कूल में सुलेख प्रतियोगिता आयोजित

महेंद्रगढ़। सुलेख प्रतियोगिता में भाग लेते स्कूली बच्चे। *फोटो: हरिभूमि*

- प्रतियोगिता में कक्षा दूसरी के छात्रों ने भाग लिया

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

राव सुल्तान सिंह मेमोरियल किड्स प्ले स्कूल निम्बेहड़ा में हिंदी सुलेख प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में कक्षा दूसरी के छात्रों ने भाग लिया और अपनी हिंदी लेखन क्षमता का प्रदर्शन किया। चेयरपर्सन सुषमा यादव ने बताया कि हिंदी सुलेख प्रतियोगिता का आयोजन छात्रों में हिंदी लेखन कौशल को बढ़ावा देने और उनकी सृजनात्मक को प्रोत्साहित करने के लिए किया गया। किड्स हैड स्नेहलता ने बताया कि प्रतियोगिता में छात्रों ने अपनी हिंदी लेखन क्षमता का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के परिणामों के अनुसार कक्षा दूसरी ए से अदविक ने पहला, ट्विंकल ने दूसरा और मानवी ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। कक्षा दूसरी बी, सी और डी से नैंसी, मयंक, अवि, गर्वित, निधि, नायरा, आरव, अनन्या और वारिस ने पहला, तनवी, रितेश, रिया, दीक्षित ने दूसरा और संध्या, दिया, इशिता, भावेश ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। संस्था निदेशक एडवोकेट सतपाल यादव ने विजेता विद्यार्थियों को बधाई दी और उन्हें हमेशा प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर हिंदी अध्यापिका सुनीता और मोनिका मौजूद रही।

गोपाष्टमी पर किया हवन

नारनौल। गोपास्टमी के अवसर श्री गोपाल गोशाला में प्रातः कल हवन का आयोजन किया गया। यज के ब्रह्मा विनोद शास्त्री रहे तथा यजमान के रूप में विनय गोयल, बद्री प्रशाद गर्ग, वासुदेव यादव सचिव गोशाला सपत्नीक रहे। इस अवसर पर गोशाला के प्रधान रामकुमार गोयल, कोषाध्यक्ष नवीन मित्तल, पूर्व प्रधान सुरेश यादव, गोसेवक सुरेंद्र सिंघल, रोशन सैनी, रविंद्र, दारा, राधे सैनी, भगवानदास सैनी, गोशाला की समस्त कार्यकारिणी उपस्थित रही। हवन के बाद अन्नकूट का प्रशाद वितरित किया गया।

सीएल स्कूल में बच्चों ने हिंदी क्विज में दिखाई प्रतिभा

नारनौल। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले विद्यार्थी। *फोटो: हरिभूमि*

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

सीएल पब्लिक स्कूल में आयोजित इंटर हाउस हिन्दी क्विज प्रतियोगिता आयोजन किया गया। जिसमें बहुविकल्पी प्रश्न, टंग ट्विस्टर, प्रॉप्स के साथ कहानी सुनाना, प्रोजेक्ट व्याख्या, रैपिड फायर व गीत पहचान जैसे रोमांचक दौर शामिल थे। इसमें कक्षा दो के येलो हाउस (आइजक न्यूटन हाउस) व कक्षा एक के ब्लू हाउस (डॉ. सीवी रमन हाउस) ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। यह प्रतियोगिता मुख्याध्यापिका मोनिका कौशल की देखरेख में सम्पन्न हुई।

आरपीएस में बौद्धिक संपदा अधिकार पर करियर व्याख्यान आयोजित

संस्था चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव व अन्य ने हिस्सा लिया

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। कार्यक्रम में भाग लेते आरपीएस डिग्री कॉलेज के विद्यार्थी।

आरपीएस डिग्री कॉलेज की आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठने छात्रों के बीच बौद्धिक संपदा अधिकार के बारे में जागरूकता फैलाने और भौतिकी में करियर के लिए प्रेरक दिशा-निर्देश प्रदान करने हेतु एक विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। संस्था चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव व सीईओ मनीष राव, कुलसचिव डॉ. देवेंद्र यादव निदेशक डॉ. महेश यादव, प्राचार्य डॉ. देवेंद्र सिंह कादियान, अधिष्ठाता डॉ. हेमंत कुमार, विभागाध्यक्ष डॉ. अर्चना साहू, डॉ. गंगवार, डॉ. जितेंद्र कुमार, डॉ. ज्योति यादव, डॉ. कविता चौहान, सोमवीर, सचिन और सोनू उपस्थित थे। इस व्याख्यान का उद्देश्य छात्रों को बौद्धिक संपदा अधिकारों के महत्व से अवगत कराना और उन्हें भौतिकी के क्षेत्र में सफल करियर बनाने हेतु आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान करना था। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में सहायक नियंत्रक (पेटेंट और डिजाइन) सुरजीत पॉल सहित अन्य मौजूद रहे।

कनीना। एसडी स्कूल में आयोजित खेल प्रतियोगिता में हिस्सा लेते विद्यार्थी।

एसडी स्कूल ककराला में खेल प्रतियोगिता आयोजित

कनीना। ककराला के एसडी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में वीरवार को खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें प्राइमरी कक्षा के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। दिनभर चली इस प्रतियोगिता को लेकर विद्यार्थियों में उत्साह बना रहा। विद्यार्थियों ने दौड़, गेंद संतुलन, मेंढक कूद व नींबू चम्मच दौड़ की प्रतियोगिता में बढ़ चढ़कर भाग लिया। विद्यालय के चेयरमैन जगदेव यादव ने बताया कि प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में टीम भावना पैदा करने सहित आत्मविश्वास और खेल भावना जागृत करना रहा। प्रतियोगिता में विजेता खिलाड़ियों को चेयरमैन जगदेव यादव, विद्यालय समिति के वरिष्ठ सदस्य राजेन्द्र यादव, प्राचार्य ओमप्रकाश यादव, सीईओ आरएस यादव, कोऑर्डिनेटर स्नेहलता यादव, बिंदु, प्रियंका ने पारितोषिक वितरित किया।

सीएम फ्लाइंग व सीआईडी ने खाद बीज के दुकानों का किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज नारनौल

गुप्त सूचनाओं के आधार पर मुख्यमंत्री उड़न दस्ता रेवाड़ी व जिला गुप्तचर विभाग ने कृषि विभाग के अधिकारियों को साथ लेकर जिले में खाद बीज की दुकानों का औचक निरीक्षण किया। डीएपी व यूरिया को लेकर किसानों को लगातार आ रही समस्याओं की शिकायतों पर एक्शन लेते हुए यह कार्रवाई की गई। टीम में मुख्यमंत्री उड़न दस्ता रेवाड़ी से उप निरीक्षक सुरेंद्र सिंह के नेतृत्व में कृषि विभाग से सहायक पौधा संरक्षण अधिकारी डॉ. हरपाल सिंह और गुप्तचर विभाग की संयुक्त टीम ने गांव गोद में स्थित बनवारी लाल लखीराम

खाद की दुकान का औचक निरीक्षण किया गया। स्टॉक पीओएस मशीन के मिलान अनुसार युरिया 164 बैग अधिक मिले। एनपी के (जी.एस.एफ.सी.) 221 बैग, एनपी के 57 बैग कम मिले है। इसके अलावा 200 बैग यूरिया होल सेल मे दर्ज मिले तथा 560 यूरिया के कट्टे श्रीश्याम खाद बीज भण्डार लुजोता को बिल अनुसार देना पाया गया, लेकिन ऑनलाईन ट्रांसफर किया हुआ नहीं पाया गया।

खाद बीज निरीक्षण

अलावा गांव बलाहा कला में ही स्थित सुनील यादव खाद बीज भण्डार की चेकिंग के दौरान सुनील कुमार हाजिर मिला। स्टॉक पीओएस मशीन के अनुसार आईपीएल 22 बैग, एमओपी 15 बैग, यूरिया 540 बैग उपलब्ध होना चाहिए था, सही था। गांव बलाहा कला में ही स्थित यादव बीज भण्डार की चेकिंग के समय सुरेश जादुपुर मिला। जिसकी दुकान में पीओएस मशीन के अनुसार आईपीएल 114 बैग, डीएपी 62 बैग, एनपीके 42 बैग, यूरिया 365 बैग उपलब्ध होना चाहिए था, जो भी सही मिला। कृषि विभाग के सहायक पौधा संरक्षण अधिकारी डॉ. हरपाल सिंह के अनुसार उपरोक्त तीनों दुकान में जो-जो कमी थी, उसके अनुसार उन्हें विभागीय नोटिस देकर कमी के संबंध में अपना जवाब मांगा जाएगा।

रेल यात्रियों के लिए रेलवे ने शुरू की सुविधा

हिसार-फुलेरा-हिसार अनारक्षित रेलसेवा का होगा संचालन

नौ साधारण श्रेणी व दो गार्ड डिब्बों सहित कुल 11 डिब्बें होंगे

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

रेलवे की ओर से देवउठनी एकादशी पर खाटुश्याम जी श्रद्धालुओं व यात्रियों की सुविधा हेतु हिसार-फुलेरा-हिसार अनारक्षित स्पेषल रेलसेवा का संचालन किया जाएगा। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जन सम्पर्क अधिकारी शशि किरण के अनुसार गाड़ी संख्या 04737 हिसार-फुलेरा अनारक्षित स्पेशल रेलसेवा 31 अक्टूबर से तीन नवंबर तक (चार ट्रिप) हिसार से 12:00 बजे रवाना होकर 21:15 बजे फुलेरा पहुंचेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 04738 फुलेरा-हिसार अनारक्षित स्पेशल रेलसेवा 31 अक्टूबर से तीन नवंबर तक (चार ट्रिप) फुलेरा से 22 बजे रवाना होकर अगले दिन सात बजे हिसार पहुंचेगी। इस रेलसेवा में नौ साधारण श्रेणी व दो गार्ड डिब्बों सहित कुल 11 डिब्बें होंगे।

नारनौल। रेलवे स्टेशन।

समय सारणी

आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
—	12:00	हिसार	07:00	
12:15	12:17	सातरोड	05:15	05:17
12:31	12:33	हांसी	04:50	04:52
12:53	12:55	भवानीखेडा	04:27	04:30
13:50	14:00	भिवानी	04:05	04:10
14:16	14:18	मनहेरू	03:48	03:50
14:30	14:32	चरखीदादरी	03:34	03:36
14:44	14:46	झाडली	03:20	03:22
15:00	15:02	कोसली	03:05	03:07
15:13	15:15	जाटूसना	02:52	02:54
16:05	16:10	रेवाड़ी	02:25	02:30
16:32	16:34	कुण्ड	01:29	01:31
17:03	17:05	अटेली	01:14	01:16
17:22	17:24	नारनौल	00:58	01:00
17:44	17:46	डाबला	00:33	00:35
18:25	18:27	नीमकाथाना	00:10	00:12
18:44	18:46	कावंट	23:38	23:40
19:40	19:42	श्रीमाधोपुर	23:15	23:17
19:55	20:00	रिंगस	23:00	23:05
20:36	20:38	रेनवाल	22:29	22:31
21:15	—	फुलेरा	—	22:00